श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स में
हिंदी पखवाड़ा और राजभाषा कार्यशाला का आयोजन।

श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स की हिंदी समिति गलियारा, राजभाषा कार्यान्वयन समिति,और आई क्यू ए सी के सौजन्य से हिंदी पखवाड़ा 2025 का शुभारंभ 11 सितम्बर को बड़े उत्साह और जोश के साथ हुआ। पहले दिन का आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा, सृजनात्मकता और भाषा-प्रेम को समर्पित था। कार्यक्रम का आरंभ दिल्ली विश्वविद्यालय के कुल गीत से हुआ। जिसके साथ ही पूरे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक उत्साह का संचार हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जतिंदर बीर सिंह ने इस आयोजन के लिए संयोजक और गलियारा समिति के सदस्यों का मनोबल बढ़ाया और ऐसे आयोजन की सार्थकता को रेखांकित किया। पहले दिन विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें कविता पाठ, पोस्टर निर्माण और रंगोली निर्माण शामिल थीं। दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय दिया।

पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान याशिका (रामानुजन कॉलेज), द्वितीय स्थान ओम शर्मा (जामिया मिलिया इस्लामिया) तथा तृतीय स्थान पूनम (भारती कॉलेज) ने प्राप्त किया। कविता पाठ प्रतियोगिता में हरमंदर कौर (एसजीजीएससीसी) प्रथम, आदित्य द्वितीय और याशु तृतीय स्थान पर रहे, वहीं सांत्वना पुरस्कार भूमि को प्रदान किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में विभा एवं गुरलीन ने प्रथम, संतप्रीत, मनमीत एवं शार्लिन ने द्वितीय तथा प्रभमेहर, रिआन्ना, क्रिश एवं क्रिशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को प्रोत्साहनस्वरूप आकर्षक पुरस्कार राशि और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। सभी प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता, अभिव्यक्ति और सृजनशीलता से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। इस अवसर पर गलियारा समिति ने पूरे आयोजन का सफलतापूर्वक संचालन किया। कार्यक्रम की मुख्य संयोजक डॉ. मीनाक्षी रानी ने आयोजन को सुचारु और प्रभावी बनाया। कुल मिलाकर, हिंदी पखवाड़ा 2025 का पहला दिन विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति, कला और भाषा-प्रेम का उत्सव रहा, जिसने हिंदी भाषा के महत्व को और गहराई से अनुभव करने का अवसर प्रदान किया।

पखवाड़े का दूसरा दिन 12 सितम्बर को शैक्षिक एवं अशैक्षिक कर्मचारियों को समर्पित रहा। इस अवसर पर निबंध लेखन और कविता पाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी की और अपनी साहित्यिक प्रतिभा एवं अभिव्यक्ति की शक्ति का परिचय दिया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में डॉ. रेखा शर्मा ने प्रथम, विभा मेहरा ने द्वितीय और गुर्नीत कौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि विशेष सम्मान प्रो.डी.डी. चतुर्वेदी जी को प्रदान किया गया। कविता पाठ प्रतियोगिता में डॉ. दीपा कुमार प्रथम, कजलीन कौर द्वितीय और सरनजीत कौर तृतीय स्थान पर रहे। प्रतिभागियों के उत्साह और रचनात्मकता ने पूरे वातावरण को साहित्यिक और भावनात्मक ऊष्मा से भर दिया।

दूसरे दिन का विशेष आकर्षण रहा डॉ. ओम प्रकाश सिंह का वक्ता सत्र,जिसमें राजभाषा में कार्य करने के आसान तरीकों पर विचार किया गया । इस सत्र का संचलन प्रो. डी डी चतुर्वेदी ने अपने ख़ास अंदाज में किया। कार्यशाला में डॉ.सिंह ने हिंदी के डिजिटल भविष्य पर विस्तार से प्रकाश डाला और विभिन्न सरकारी पहलों, वेबसाइटों एवं ई-टूल्स की जानकारी साझा की। इस सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों को यह समझने का अवसर मिला कि किस प्रकार आधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ हिंदी भाषा को अधिक सशक्त, उपयोगी एवं व्यापक बनाया जा सकता है।

दूसरे दिन का आयोजन भी गलियारा समिति द्वारा सफलतापूर्वक संचालित किया गया। मुख्य संयोजक डॉ. मीनाक्षी रानी ने विभिन्न विभागों के सहयोग से आयोजन दिया। इस प्रकार, हिंदी पखवाड़ा 2025 का दूसरा दिन कर्मचारियों के लिए रचनात्मकता, अभिव्यक्ति और नई सीख का अवसर बना, वहीं डॉ. ओम प्रकाश सिंह के प्रेरणादायी सत्र ने हिंदी भाषा के तकनीकी भविष्य की एक सशक्त झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. दीपा कुमार ने सबका आभार व्यक्त किया और धन्यवाद दिया। कुलमिलाकर कार्यक्रम पूर्ण रूप से सफल रहा।

गरियरा